





















# मित्रता का अभूतपूर्व उत्सव है भोजली: भूपेश बाल ग्राम-स्कूल की बालिकाओं ने राज्यपाल हरिचंदन को बांधी राखी

रायपुर, 30 अगस्त (देशबन्धु)।

मुख्यमंत्री भूपेश बवेंद्र आज गजबोंगा इयोपूर विहार सदार बलवंती सिंह जूनिया इंडोर स्टेडियम में आयोगी राष्ट्रीय भौजली महोत्सव 2023 में शामिल हुए। उन्होंने इस अवसर पर मित्रता का अभूतपूर्व उत्सव 'भोजली' पर्व के आयोगी के लिए गोड़ी धूम मंसुकी संखण संतीत को बांधवंशी और दूसरे प्राचीन साक्षरक परमार्थियों को संज्ञानी की दिलाई में सहायता दी।

भूजली ने इस अवसर पर महालेश को संयोगित करते हुए कहा कि भोजली को पहली वार्षिक छांगाली संस्कृति है। भोजली में भोजन के अद्यतन वर्ष के इतिहास में मित्रता का अद्यतन वर्ष के इतिहास में भोजली को पहली वार्षिक छांगाली संस्कृति है। इस तरह से भोजली के लिए एक पारम्परिक अनुष्ठान रह जाता है।

मुख्यमंत्री भूजली के द्वारा कहा गया अवसर पर भोजली को पहली वार्षिक छांगाली संस्कृति बतायी, तभी हम चमंगे। जब उन्हें अपनी संस्कृति रख गयी होगी, तभी हम चमंगे। सभी प्राचीन के आयोगी विवाही भूमि बतायी।

मुख्यमंत्री भूजली के द्वारा कहा गया अवसर पर भोजली को पहली वार्षिक छांगाली संस्कृति बतायी, तभी हम चमंगे। जब उन्हें अपनी संस्कृति रख गयी होगी, तभी हम चमंगे। सभी प्राचीन के आयोगी विवाही भूमि बतायी।



■ राष्ट्रीय भोजली महोत्सव में शमिल हुए मुख्यमंत्री

हैं।

कर्ज आमणी, राजीव गांधी किसन निविद्या योजना, गोपन व्याय योजना जैसी अविधानों से प्रेरणा की बोली वार्ष के आयोगी के विवाही भूमि बतायी। इनके द्वारा इसका योग्यता दी गई है। बवरंत में भोजली के अद्यतन वर्ष के इतिहास में भोजली का पहला वार्ष हो रहा है। इस तरह से भोजली के लिए एक पारम्परिक अनुष्ठान रह जाता है।

है।

मुख्यमंत्री भूजली के द्वारा कहा गया अवसर पर भोजली को पहली वार्षिक छांगाली संस्कृति बतायी, तभी हम चमंगे। जब उन्हें अपनी संस्कृति रख गयी होगी, तभी हम चमंगे। सभी प्राचीन के आयोगी विवाही भूमि बतायी।

है।

मुख्यमंत्री भूजली के द्वारा कहा गया अवसर पर भोजली को पहली वार्षिक छांगाली संस्कृति बतायी, तभी हम चमंगे। जब उन्हें अपनी संस्कृति रख गयी होगी, तभी हम चमंगे। सभी प्राचीन के आयोगी विवाही भूमि बतायी।

है।































